झांसी, लश्कर, आगरा, गुना, सतना, रीवा, भोपाल व ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

स्वदेश ग्वालियर समूह का स्वर्ण जयंती वर्ष

www. swadeshnews.in

स्वदेश

• झांसी • शनिवार 19 जून 2021, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष-9 • संवत् 2078, • युगाब्द 5123 • वर्ष : 22 • अंक : 347 • मूल्य 3.00 रु. • पृष्ठ 8

बुरे व्यक्ति पर क्रोध करने से पूर्व अपने आप पर ही क्रोध करना चाहिए।
• चाणक्य

पर्यावरण संरक्षण कृषिवानिकी से सम्भव

झांसी। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी ने दिनाँक 18 जून, 2021 को अपना 34वाँ स्थापना दिवस एवं भारतीय कृषिवानिकी समिति झाँसी ने अपना 24वाँ स्थापना दिवस कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए एवं भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए वर्चुवल मोड के माध्यम से मनाया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली रहे। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा देश में कृषिवानिकी के लिए नीति आयोग, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, नाबार्ड आदि को महत्वपूर्ण सहयोग दिया जा रहा है एवं संस्थान द्वारा सम्पूर्ण राष्ट्र के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों के लिए उचित कृषिवानिकी तकनीक विकसित की गयी है। स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरूआत आई.सी.ए.आर कुलगीत से प्रारम्भ की गई। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि डॉ. एस. के चौधरी, उप महानिदेशक एवं डॉ. एस. भास्कर, सहायक महानिदेशक (शस्य, कृषिवानिकी एवं जलवायु परिवर्तन), आई.सी.ए.आर, नई दिल्ली ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन में कृषिवानिकी का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है।संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संक्षेप में संस्थान की उपलब्धियों एवं इसके द्वारा चलाई जा रही है। अखिल भारतीय कृषिवानिकी समन्वित परियोजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा विगत वर्ष में राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ कई महत्वपूर्ण परियोजनायें प्रारम्भ की गयी। यह परियोजनायें कृषिवानिकी को अधिक कारगर बनाने में सक्षम होंगी। इस अवसर पर संस्थान में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके द्वारा संस्थान को दिया गया सहयोग एवं कार्य की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में कृषिवानिकी समिति के द्वारा कृषिवानिकी में महत्वपूर्ण योगदान के लिए लाइफ्टाईम अवार्ड, ऑनर फैलो तथा डा. के.जी. तेजवानी अवार्ड एवं अन्य अवार्ड प्रदान किये गये। इस कार्यक्रम के अवसर पर एक कृषक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में परासई-सिंध गाँव के 25 कृषकों ने भाग लिया। डॉ. जे. सी. तरफ्दार, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक, काज़री, जोधपुर ने इस अवसर पर नेनो फर्टिलाईजर का व्याख्यान दिया। इस गोष्ठी में किसानों को संस्थान के प्रक्षेत्र पर मृदा सैम्पल लेने की विधि भी बताई गयी। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी तथा देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि, कृषि विज्ञान केन्द्र, नाबार्ड, आई.सी.ए.आर संस्थान एवं ग्रासलैण्ड के निदेशक, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालयों के डीन, डायरेक्टर, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रतिनिधि, विभिन्न राज्य सरकारों के वन विभाग, कृषि विभाग के प्रतिनिधि एवं प्रगतिशील कृषक सम्मिलित रहे।

अमर उजाला
amarujala.com
झांसी
रविवार, 19 जून 2021

पर्यावरण संरक्षण कृषि वानिकी से संभव

झांसी। केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान का 34वां स्थापना दिवस और भारतीय कृषिवानिकी समिति का 24वां स्थापना दिवस वर्चुअल तरीके से मनाया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के महानिदेशक और सचिव डेयरी डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण कृषि वानिकी से संभव है। उपमहानिदेशक डॉ. एसके चौधरी और सहायक महानिदेशक डॉ. एस भास्कर ने कहा कि प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में कृषि वानिकी का महत्वपूर्ण योगदान है। ब्यूरो